

विचार बिन्दु

दौड़ना काफी नहीं है, समय पर चल भी पड़ना चाहिए। फ्रांसिसी कहावत

ग्रीन हाइड्रोजन होगा भविष्य का कार्बन रहित ऊर्जा का स्रोत

ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि अगले दो दशकों में विश्व स्तर पर किसी भी देश की ऊर्जा मांग में सबसे बड़ी वृद्धि भारत में देखने को मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था के साथ, जनसंख्या में वृद्धि के चलते भारत को अपने यहां पूरे यूरोपीय आर्थिक संघ के आकार के बराबर बिजली प्रणाली बनाने की आवश्यकता होगी। हालांकि अपने संसाधनों को देखते हुए भारत अपने औद्योगिकरण की गारंटी के लिए तेजी से आधुनिकीकरण करने वाले चीन तथा अन्य देशों के समान अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए गहन कोयला आधारित रास्ता आसानी से अपनाया पड़ सकता है। मगर इसकी बजाय यह अपने औद्योगिकरण को सुदृढ़ आधार देने के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाए और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कहीं अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपना कर चल रहा है। यह एक शुभ संकेत है। ऊर्जा की वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के पैकेज में ग्रीन हाइड्रोजन भी एक घटक है। इस पैकेज में जैव ईंधन, प्राकृतिक गैस और पारंपरिक रिन्यूएबल ऊर्जा शामिल है। इतने बड़े भूभाग वाले देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाया जरूरी नवोन्मेष है। बहुतों को लगता है कि वास्तव में भारत विकासशील देशों को एक नया रास्ता दिखा रहा है, विशेष रूप से उन देशों को लिए जिनके यहां औद्योगिकरण की गति को तेज करने के प्रयासों में ऊर्जा की बड़ी मांग होने वाली है। भारत अक्सर अधिकतम संभव सीमा तक जीवाश्म ईंधन कोयले के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता रहा है। इस वास्तविकता से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ऊर्जा के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की बड़ी आवश्यकता होती है। ऐसा ढांचा बनाने के लिए देश में पहल हो गई है। इसी पहल पर सारी दुनिया की निगाहें इस देश पर लगी हैं। अगर भारत अपनी ऊर्जा प्रणाली में सही संतुलन बनाने में सफल होता है, तो अन्य विकासशील देश इसका अनुसरण करेंगे। अब तक किसी भी देश ने अपनी औद्योगिक क्षमता के निर्माण के लिए पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर भरोसा नहीं किया है। भारत ने इसमें पहल करते हुए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का प्रारंभिक काम शुरू किया है जो यदि परवान चढ़ता है तो वह इस देश को दुनिया में एक अग्रणी मुलुक के रूप में पहचान दे सकता है।

प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2021 को स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'नेशनल हाइड्रोजन मिशन' का ऐलान किया था। बाद में उसी के अनुरूप भारत सरकार ने करीब 20 हजार करोड़ रुपये के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के तहत सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार चाहती है कि आने वाले समय में भारत ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का ग्लोबल लीडर बन जाय। जो रोडमैप तैयार किया गया है उसके तहत अगले सात वर्षों में हर साल पांच मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन देश में होना है। इसके लिए इस क्षेत्र में कुल आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मिशन के तहत 60-100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता तैयार की जायेगी। इलेक्ट्रोलाइजर को मैनुफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर 17,490 करोड़ की प्रोत्साहन राशि देने का भी प्रावधान किया गया है। देश में ग्रीन हाइड्रोजन के डब को विकसित करने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा के रूप में अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल की जा सकेगी। ग्रीन हाइड्रोजन स्वच्छ ऊर्जा का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। इसमें सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करके पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन अलग करके हाइड्रोजन पैदा की जाती है। ये हाइड्रोजन कई चीजों के लिए ऊर्जा का काम कर सकती है।

ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनाने में कार्बनडाई ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन नहीं होता। पर्यावरणविदों का दावा है कि यह ऑयल रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर, स्टील और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों को कार्बन मुक्त करने में मदद कर सकती है। लिहाजा ग्लोबल कार्बन उत्सर्जन में कटौती में भी ये मददगार साबित होगी।

ऊर्जा की क्षमता का दोहन करने का यह सही समय है। अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रिक वाहनों की हाल की सफलताओं ने साबित किया है कि नौतियों तथा प्रौद्योगिकी में नवाचार में स्वच्छ ऊर्जा उद्योग विकसित करने की शक्ति है। हाइड्रोजन आधारित ईंधन के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये ऊर्जा भंडारण के प्रमुख विकल्प के रूप में अब हाइड्रोजन उभर रहा है जिससे ऊर्जा संसाधनों वाले क्षेत्रों से हजारों किलोमीटर दूर ऊर्जा की कमी वाले क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में अक्षय ऊर्जा से ऊर्जा का परिवहन होगा। भारी उद्योग, लंबी दूरी की माल ढुलाई, नौवहन और विमानन को डीकार्बोनाइज करने के साधन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में कई उत्सर्जन कटौती के वादों में ग्रीन हाइड्रोजन को आधार बनाया गया है। सरकारों और उद्योग वर्गों में हाइड्रोजन को शुद्ध शून्य कार्बन अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में स्वीकार किया है। ग्रीन हाइड्रोजन की लागत को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक पहल में घोषणा की गई है कि वह ग्रीन इलेक्ट्रोलाइजर के लिए पिछले वर्ष निर्धारित अपने लक्ष्य को 25 गीगावाट से बढ़ा कर 2027 तक लगभग दोगुना 45 गीगावाट तक कर रहा है। यूरोपीय आयोग ने भी अपना विधायी प्रस्ताव तैयार किया है जिसमें हाइड्रोजन सहित नवीकरणीय और कम कार्बन गैसों के उत्सर्जन और यूरोप में सभी गारंटी के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ के गैस बाजार को डीकार्बोनाइज करने की बात की गई है। उभर संयुक्त अरब इमिरेट्स ने भी आगे बढ़ कर अपने देश की नई हाइड्रोजन रणनीति में 2030 तक वैश्विक कम कार्बन हाइड्रोजन बाजार का एक चौथाई हिस्सा रखने का लक्ष्य रखा है। जापान ने हाल ही में घोषणा की है कि वह अनुसंधान और विकास में तेजी लाने के लिए अपने ग्रीन इन्वैशन फंड से 3.4 बिलियन डॉलर का निवेश करते हुए अगले 10 वर्षों में हाइड्रोजन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना।

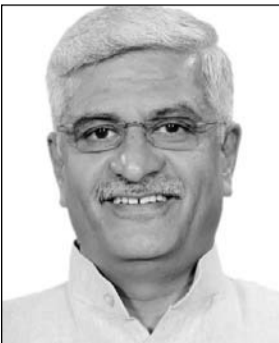
हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों की जब बात आती है तो ग्रे, ब्लू, ग्रीन शब्द भी उससे जुड़े आते हैं। यह सब इसके उत्पादन के तरीके के आधार पर है। जलने पर हाइड्रोजन केवल पानी का उत्सर्जन करता है लेकिन इसे बनाने में कार्बन सपन हो सकता है। उत्पादन विधियों के आधार पर, हाइड्रोजन ग्रे, नीला या हरा - और कभी-कभी गुलाबी, पीला या फिरोजा भी कहा जाता है। ग्रीन हाइड्रोजन एकमात्र प्रकार है जो जलवायु-तटस्थ तरीके से उत्पादित होता है, जो 2050 तक कार्बन मुक्त ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाइड्रोजन ग्रे हाइड्रोजन और ब्लू हाइड्रोजन से भिन्न होता है। आवर्त सारणी में हाइड्रोजन सबसे सरल और सबसे छोटा तत्व है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसका उत्पादन कैसे किया जाता है, यह उसी कार्बन-मुक्त अणु के साथ समाप्त होता है। हालांकि, इसके उत्पादन के रास्ते बहुत विविध हैं। ग्रे हाइड्रोजन पारंपरिक रूप से मोथेन से बनाया जाता है जिसमें हाइड्रोजन के साथ कार्बन डाई ऑक्साइड भी बनता है जो जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य अपराधी माना जाता है। कोयले से भी ग्रे हाइड्रोजन का तेजी से उत्पादन किया गया है। इसमें भी उत्पादित हाइड्रोजन की प्रति यूनिट काफी अधिक कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन होता है। इतना अधिक कि जिसे अक्सर ग्रे के बजाय ब्राउन या ब्लैक हाइड्रोजन कहा जाता है। यह आज औद्योगिक पैमाने पर उत्पादित किया जाता है। ब्लू हाइड्रोजन भी ग्रे हाइड्रोजन के समान प्रक्रिया से बने ही बनाता है जब हाइड्रोजन को मोथेन (या कोयले से) से विभाजित किया जाता है और इसे लंबे समय तक संग्रहीत करने के लिए उत्पादित कार्बन डाई ऑक्साइड को कैप्चर करने के लिए अतिरिक्त तकनीकों की आवश्यकता होती है। अक्षय ऊर्जा आज अधिकांश देशों में बिजली का सबसे सस्ता स्रोत है। जानकार लोगों का कहना है कि ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए उसकी उत्पादन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटक 'इलेक्ट्रोलाइसिस' की लागत को कम से कम तीन गुना कम करने की आवश्यकता है। हालांकि ग्रीन हाइड्रोजन के मामले में हम सौर पीवी जैसी कहानी दोहराई जाते देख सकते हैं। यह अब स्पष्ट हो चला है कि ब्लू हाइड्रोजन की अस्थिर और संभावित रूप से बढ़ती लागत के विपरीत, ग्रीन हाइड्रोजन की एक स्थिर, घटती लागत होती है जिस पर अब सबका ध्यान जा रहा है। इसलिए भारत में पूंजी की लागत को कम करने के लिए कम जोखिम वाले ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण के लिए नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रोलाइजर के निर्माण को बढ़ाकर निवेश लागत को कम करने का प्रयास होगा। इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में अब अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियां पहले से अधिक परिपक्वता के स्तर पर पहुंच गई हैं जो दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी नवीकरणीय बिजली उत्पादन की आधार भूमि तैयार कर रही है जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सभी के लिए लाभ का सौदा माना जा रहा है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोडा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

भारत में जल से जुड़ी योजनाएं विश्व में सबसे बड़ी : शेखावत

जोधपुर, (कास)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। भारत सरकार इस मामले में गंभीर है। इसलिए देश में आज जल से जुड़ी जितनी भी योजनाएं हैं, वे आकार और बजट के मामले में विश्व में सबसे बड़ी योजनाएं हैं।

शेखावत मंगलवार को जोधपुर में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल की चुनौती हम सब के सामने खड़ी है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती हुई आवश्यकताओं के चलते यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। पश्चिमी राजस्थान में गुजरात से लेकर पंजाब से लगते हिस्से में तो यह चुनौती और भी ज्यादा बड़ी है, क्योंकि यह रेगिस्तानी इलाका है और भूजल पर निर्भरता हमारी अधिक है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब जैसे राज्य में भी चुनौतियां बढ़ रही हैं। देश में सबसे ज्यादा भूजल का दोहन पंजाब में हो रहा है। अब पानी का अधिकतम और उचिततम उपयोग कैसे



केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

होगा। उन्होंने जोधपुर में नया संस्थान खुलने पर सबको बधाई भी दी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए मोदी सरकार ने कठोर फैसले लेकर सुधार किए हैं। कटिंग एज इंस्ट्रूज को लॉकर उनका डवलपमेंट भारत में करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके परिणाम स्वरूप देश में नया आर्थिक परिदृश्य बना है। अब कॉरपोरेट सेक्टर में करोड़ों

■ केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है, भारत सरकार इस मामले में गंभीर है

रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। आज हमारे स्टार्टअप की संख्या एक लाख की पार कर चुकी है और युनिकॉर्न की संख्या तो 111 को पार कर चुकी है। आज हम दुनिया के सबसे ज्यादा युनिकॉर्न स्टार्टअप वाले देश हैं। सी लाख करोड़ रुपए का निवेश आधारभूत संरचना में किया गया है। इसी बजट में दस लाख करोड़ के निवेश की संकल्पना की गई है।

शेखावत ने कहा कि जिस देश ने हमें गुलाम रखा है, आज हम उस देश ब्रिटेन को पछाड़ कर दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब हुए

हैं। जिस गति से हम आगे बढ़ रहे हैं, उससे आर्थिक विश्लेषण और सर्वे करने वाली संस्थाएं भी मान रही हैं कि आने वाले तीन साल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। जापान और जर्मनी को भी शीर्ष पीछे छोड़ने वाले हैं। हम जिस गति से बढ़ रहे हैं, उससे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि हम विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज जिन लोगों को रोजगार मिलने वाला है। वे सौभाग्यशाली हैं। प्रधानमंत्री के उद्घोषण और साक्षी में उन्हें नियुक्ति प्राप्त मिला है। आज देश में बदलाव का दौर है और आप इस बदलाव के वाहक बन रहे हैं। दुनिया की कोई ताकत हमें विकसित देश बनने से नहीं रोक सकती। नौकरी का परिदृश्य बदल रहा है। नौकरियों में आवेदन के लिए लाइन लगना पड़ता था। इंटरव्यू में फेवर के लिए अफसरों और नेताओं के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस परिवर्तन का सौभाग्य हमें मिला है।

सवा महीने बाद भी नहीं मिला भुगतान, किसानों की हालत तंग

फागी, (निस)। क्रय-विक्रय सहकारी समिति द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गये चने का मूल्य सवा महीने बाद भी नहीं मिलने से किसानों की तंगी हालत हो गई है। बाजार दर से कुछ अधिक राशि मिलने की आशा में

■ समर्थन मूल्य पर खरीदा था चना

बाद भी भुगतान के कोई आसार दूर-दूर तक भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। किसान

छोटे मानहला व अन्य की माने तो बाजार से लिए कर्ज को चुकता करने के लिए एच बाजार से ज्यादा रकम मिलने की उम्मीद में तो चना फसल का बेचान किया था किन्तु समय अधिक निकलने से कर्ज का चुकारा व अन्य

घरेलू कार्यों में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विजेन्द्र सिंह प्रभारी खरीद केन्द्र फागी का कहना है कि किसानों से खरीद की गई फसल का भुगतान शुरूवात तक किसानों के खते में भुगतान हो जावेगा।

पावटा में दिनों दिन बढ़ रही जाम की समस्या, एम्बुलेंस फंसी



पावटा में जाम के दौरान फंसी एम्बुलेंस।

पावटा, (निस)। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को पावटा कस्बे के सर्विस रोड पर जाम लगा गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। वहीं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रगपुर स्थाना व यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा कोई कोशिश नहीं आई।

कई दुपलरों को चोपहिया वाहन फंसे रहे, तो इलाज के लिए मरीज को जल्द अस्पताल पहुंचाने की एंबुलेंस

के लिए संकरी गलियों से गुजरने को विवश हो गए। वहीं बैंकों, दुकानों व मॉल के सामने अवैध पार्किंग व बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों से लंबे जाम में एंबुलेंस फंसे गईं, उसमें सवार मरीज परेशान हुए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी जाम में इसी तरह एक एंबुलेंस फंसी थी लेकिन जिम्मेदार अपनी आँखें बंद कर किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं।

भीषण गर्मी में पेयजल का संकट गहराया



पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने जाम लगा प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा, (निस)। भीषण गर्मी के बीच भीलवाड़ा में पेयजल का संकट गहराने लगा है। जलदाय विभाग की लापरवाही के खिलाफ महिलाओं का गुस्सा फूटा और आक्रोशित महिलाओं ने सड़क मार्ग पर जाम लगा प्रदर्शन शुरू किया।

बाद 52 कोली मोहल्ले की आक्रोशित महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया। महिलाओं का कहना था कि भीषण गर्मी में भी जलदाय विभाग की ओर से बड़ा नंबर 52 कोली मोहल्ला में जलापूर्ति नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोज टैकर मंत्राणा भी संभव नहीं है। इस संबंध

■ वाई 52 कोली मोहल्ले की महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन किया

में कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों से समस्या का समाधान करने की मांग की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने जाम लगाकर अपना विरोध जताया पड़ा है। जाम की सूचना मिलने पर सुभाष नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया।

खैरथल को जिला बनाने का कितना फायदा होगा यह तो टिकट और जनता का निर्णय तय करेगा

किशनगढ़ बास, (निस)। अलवर जिले के किशनगढ़ बास विधानसभा में खैरथल जिला बनने के बाद चुनावी समर परवान चढ़कर बोलने लगा है। जैसे तो चुनाव होने में अभी 5 माह हैं, लेकिन चुनाव में किस्मत आजमाने के लिए नेताओं ने गांव-गांव में दस्तक देना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है। विधायक दीपचंद खैरिया खैरथल जिला बनने के बाद जीत और टिकट दोनों को पक्का मानकर कांग्रेस राज में हुए विकास कार्यों को जनता के बीच रखने में और भाजपा व पूर्व विधायक रामहेत यादव पर हमला बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस बार खैरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस टिकट नहीं मिलने पर खैरिया बसपा टिकट पर चुनाव लड़े और चुनाव जीतकर कांग्रेस सरकार में शामिल हो गए। जैसे परिसीमन के बाद बनी

■ परिसीमन के बाद किशनगढ़ बास विधानसभा में तीनों चुनाव में कांग्रेस को मिली हार, दो बार भाजपा और एक बार बसपा जीती है चुनाव

■ कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है, इधर इस बार विधायक दीपचंद खैरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं

किशनगढ़ बास विधानसभा में हुए तीनों बार के चुनाव में कांग्रेस खता नहीं खोल पाई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपेट होगी और किशनगढ़ बास से कांग्रेस चुनाव जीतेगी।

जिला बनाए जाने के सुनहरे पल का चुनावी लाभ उठाने के लिए खैरिया कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहे हैं। जिला बनाए जाने की खुशी में स्वागत कार्यक्रम गांव, गली, मोहल्ले, वार्ड, कॉलोनी के साथ समाज के लोगों को और से कार्यकर्ता इन दिनों चुनाव से पहले जनता के बीच

मुलाकात करने के लिए गांव गांव निकली हुई है। कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए नींव को मजबूत करने में लगी सिमरन कौर का क्षेत्र की जनता से पुराना रिश्ता रहा है। खैरथल रिजर्व सीट से बाबू संपत राम लंबे समय तक विधायक का चुनाव लड़ कर विधानसभा पहुंचे हैं और राजस्थान सरकार में गृह मंत्री रहे हैं। उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों की आज भी खैरथल किशनगढ़ बास के लोग मिसाल देते हैं। सिमरन कौर करीब 25 साल से क्षेत्र की जनता के साथ जुड़ी हुई हैं जिसके कारण कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क रखती हैं।

खैरथल रिजर्व सीट समाप्त होने व किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र बनने के बाद सिमरन कौर कांग्रेस टिकट की दौड़ में पहले भी अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सीट होने के कारण टिकट नहीं मिला इस बार फिर सिमरन कौर कांग्रेस से टिकट की दौड़ में लगी हैं। सिमरन कौर दलित नेता स्वर्गीय बाबू संपत राम की पुत्रवधु होने के साथ राजस्थान सरकार में प्रशासनिक सेवा में रहे वरिष्ठ आईएएस अशोक संपत राम की पत्नी हैं।

राशिफल

बुधवार 14 जून, 2023

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2080, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:40 तक, अतिगंड योग रात्रि 3:00 तक, बालव करण प्रातः 8:44 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचर करेगा।

पंडित अनिल शर्मा

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरु-मेष, शुक-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग प्रातः 8:49 तक है। राजयोग दिन 1:40 से सूर्योदय तक है। आज योगिनी एकादशी व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:44 से 12:27 तक, चर 3:52 से 5:35 तक, लाभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:17

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भावदौड़ रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटकलें कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मानसिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोले से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
परिजननों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्रार्थनिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजननों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। संभावित खोले से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।